

द्युत वि. (तत्.) जिसमें प्रकाश हो, चमकीला पुं.  
रश्मि, किरण।

द्युति स्त्री. (तत्.) 1. शरीर की स्वाभाविक कांति, आभा, छवि 2. दीप्ति, चमक भौ. किसी वस्तु के तल द्वारा परावर्तित प्रकाश की चमक।

द्युतिकर वि. (तत्.) चमकीला, चमकदार।

द्युतिधर वि. (तत्.) चमकीला, चमकदार।

द्युतिमंत वि. (तत्.) द्युतिमान्।

द्युतिमती वि. (स्त्री.) (तत्.) प्रकाशवाली, चमकीली।

द्युतिमय वि. (तत्.) 1. प्रकाशमय, कांतिमय, चमकीला 2. तेजस्वी।

द्युतिमा स्त्री. (तत्.) 1. द्युति, चमक 2. प्रकाश 3. तेज।

द्युतिमान् वि. (तत्.) प्रकाशवाला, चमकीला।

द्यु-पथ पुं. (तत्.) आकाश-मार्ग।

द्यु-मणि पुं. (तत्.) सूर्य।

द्यु-लोक पुं. (तत्.) स्वर्ग।

द्यूत पुं. (तत्.) जुआ।

द्यूतकार पुं. (तत्.) 1. जुआखाने का स्वामी 2. जुआरी।

द्यूतक्रीड़ा स्त्री. (तत्.) जुए का खेल, जुआ।

द्यूत फलक पुं. (तत्.) जुए में बिसात बिछाने की चौकी आदि, कौड़ी/पासा फेंकने या ताश के पत्ते डालने के लिए रखी जाने वाली चौकी आदि।

द्यूत भूमि स्त्री. (तत्.) जुआ खेलने का स्थान, जुआखाना, जुए का अड्डा।

द्योतक वि. (तत्.) 1. प्रकाश करने वाला, प्रकाशक, 2. प्रकट करने वाला 3. सूचक।

द्योतन पुं. (तत्.) 1. प्रकाश युक्त करने की क्रिया 2. दिखना 3. प्रकटन, व्यक्त करना।

द्योतित वि. (तत्.) प्रकाशयुक्त किया हुआ, प्रकाशित 2. प्रकट, व्यक्त।

द्योस पुं. (तत्.) दिवस, दिन।

द्यौस पुं. (तत्.) दिवस, दिन।

द्यौसक पुं. (तत्.) दो एक दिन, कुछ ही दिन।

द्यौसमणि पुं. (तत्.) सूर्य।

द्यौहड़ा पुं. (तद्.) देवालय, मन्दिर।

द्रग पुं. (तद्.) दृग, नेत्र।

द्रब पुं. (तद्.) द्रव्य यौ. द्रबी वि. द्रव्य वाला, धनी।

द्रव वि. (तत्.) 1. चूने/टपकने वाला 2. बहने वाला 3. तरल, पनीला 4. पिघलता हुआ प्रदार्थ पुं.  
1. तरल पदार्थ 2. रस।

द्रवक वि. (तत्.) 1. चूने/टपकने वाला 2. बहने वाला 3. द्रवित करने/होने वाला।

द्रवबलगतिकी स्त्री. (तत्.) गणित की वह शाखा जिसमें किसी पूर्णतः या अंशतः तरल द्रव्यात्मक निकाय की गतियों का अध्ययन किया जाता है।

द्रवस्थैतिक दाब पुं. भौ. किसी स्थिर जलराशि में एक विशिष्ट स्थल पर जल द्वारा पड़नेवाला दाब।

द्रवस्थैतिकी स्त्री. (तत्.) गणि. गणित की वह शाखा जिसमें किसी पूर्णतः या अंशतः तरल द्रव्यात्मक निकाय के संतुलन का अध्ययन किया जाता है।

द्रवज वि. (तत्.) द्रव/तरल पदार्थ से निकला/बना हुआ पुं. किसी रस से बनी हुई वस्तु जैसे- गुड़, शीरा, चीनी इत्यादि गन्ने के रस से बने द्रवज।

द्रवण पुं. (तत्.) 1. बहना, रसना, 2. पिघलना 3. पसीजना 4. भाप का द्रवरूप में परिवर्तित 5. मन की दयापूर्ण होने की वृत्ति 6. कामदेव का एक बाण; (भू/वि.) द्रव बनने या होने की क्रिया या प्रक्रम।

द्रवणांक पुं. (तत्.) ताप का वह माप जिस पर कोई वस्तु पिघलने लगती है।

द्रवता स्त्री. (तत्.) द्रव होने की अवस्था/गुण/ भाव, द्रवत्व।

द्रवना अ.क्रि. (तत्.) 1. पिघलना 2. पसीजना 3. मन का करुणा/दया से पसीजना, दयार्द्र होना।

द्रविड़ पुं. (तत्.) 1. दक्षिण भारत के तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र के क्षेत्र का सामूहिक नाम 2. उक्त क्षेत्र का निवासी।

द्रविड़ प्राणायाम प्रयो. सीधे और सरल विधि से हो सकने वाले काम को टेढ़े और कठिन विधि